Se

Seat no.--------   printed pages- 02

[A-24]

SARDAR PATEL UNIVERSITY

F.Y.B.A. EXTERNAL EXAMINATION

11-04-2019, Thursday

10.00 AM to 01.00 PM

Subject : Hindi Literature

FYBAHIN, 102 – आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(कहानी एवं उपन्यास)   कुल गुण-१००

प्रश्न-१. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :   (३०)

(क) चूड़ियाँ कहाँ से लाऊं बेटा ? तुम तो जानते हो, सब जेवर तुम्हारी पढाई में बिक गए|

अथवा

(क) मोटे मोटे गद्दे-लिफाह-कंबल ! मजाल है कि जाड़े का गुजर हो जाय | तकदीर की खूबी है | मजूरी हम करें, मज़ा दुसरे लूटे |

(ख) यह रहस्य मानव हृदय का है, मेरा नहीं | राजकुमार ! नियमों से यदि मानव हृदय बाध्य होता तो आज मगध का राजकुमार का हृदय किसी राजकुमारी की ओर न खिंचकर एक कृषक बालिका का अपमान करने न आता |

अथवा

(ख) उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी व् बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र है | जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिंदूर डालने की अधिकारी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्तव्यों से छुट्टी पा जाती है |

(ग) सामनेवाले को पराजित करने के लिए जैसा प्रयास और सन्नद्ध जीवन उसे जीना पड़ा इसने उसे खुद ही पराजित कर दिया | सामनेवाला व्यक्ति तो पता नहीं कब परिदृश्य से हट भी गया और वह आज तक उसी मुद्रा में उसी स्थिति में खड़ी है - साँस रोके दम साधे घुटी घुटी और कृत्रिम |

अथवा

(ग) पापा दोनों कंधों से थामे उसे देख रहे हैं | पर जैसे पहले देखते थे वैसे नहीं; खूब घूर घूरकर देखे रहे हैं | एकाएक लगा, जरुर कहीं आगे पीछे से मम्मी की आँखें भी देख रही होंगी | सब लोग उसे इस तरह क्यों देखते हैं? उसे जाने कैसा लगने लगता है डर-सा |

प्रश्न -२ 'यही सच है' कहानी के कथासार को लिखकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए| (२०)

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'नेलकटर' कहानी की समीक्षा कीजिए |

प्रश्न -३ कहानी-कला की दृष्टी से 'उसने कहा था' कहानी का मुल्यांकन कीजिए | (२०)

अथवा

'पुरस्कार' कहानी के आधार पर मधुलिका की चरित्रगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न - ४ उपन्यास कला के आधार पर 'आपका बंटी' उपन्यास की समीक्षा कीजिए | (२०)

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास में निरुपित सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक पहलुओं की चर्चा कीजिए |

प्रश्न - ५ टिप्पणी लिखिए : (किसी एक) (१०)

(१) 'आदमी का बच्चा' कहानी के शीर्षक की सार्थकता

(२) 'आपका बंटी' उपन्यास का नायक

समाप्त

—x—